वजीरपुर क्षेत्र दिल्ली में जनता फ्लैटों का आवंटन

83. **श्री नवल किशोर शर्मा :** क्या निर्माण और आवास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण ने 500 रुपये से 800 रुपये तक की वार्षिक आय वाले गरीब तथा कमजोर वर्गों के लोगों के लिए वजीरपुर क्षेत्र में जनता फ्लैटों का निर्माण करा लिया है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार को इस बात की जानकारी है कि इन फ्लैटों को अब गरीब तथा कमजोर वर्गों के लोगों के बजाये अमीर व्यक्तियों द्वारा ले लिया गया है ; और

(ग) यदि हाँ, तो सरकार का इस विषय में क्या कदम उठाने का विचार है और यदि नहीं, तो क्या सरकार का इस संबंध में अविलम्ब जांच कराने और आवश्यक कार्यवाही करने का विचार है ?

संसदीय कार्य तथा निर्माण और आवास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह): (क) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि उनके द्वारा वजीरपुर क्षेत्र में बनाये गए जनता फ्लैटों को नीचे दिये गये आय ग्रुप के पंजीकृत व्यक्तियों को आबंटित किया गया था :—

1. 1973 तक पंजीकृत किये गये व्यक्ति	3000 रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं
2. 1976 में पंजीकृत किए गए व्यक्ति	6000 रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं

(ख) जी, नहीं । दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि उनको ऐसे अन्तरण का ज्ञान नहीं है । कोई भी आबंटी उनकी लिखित रूप से पूर्व अनुमति के बिना किसी भी फ्लैट को बेचा/अन्तरण नहीं कर सकता । ऐसी कोई अनुमति नहीं दी गई है । तथापि, आबंटियों द्वारा अपने फ्लेटों को किराये पर देने में प्रतिबंध नहीं है ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

कम लागत के मकानों के सम्बन्ध में अनुसंधान

84. **श्री केशव राव पारधी :** क्या आवास और निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन और केन्द्रीय भवन अनुसधान संस्थान ने कम लागत के मकानों के निर्माण के संबंध में अनुसंधान किया है ; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है ?

संसदीय कार्य तथा निर्माण और आवास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह): (क) केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान ने कम लागत के मकान बनाने संबंधी अनुसंधान किया है जब कि राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन ऐसे अनुसंधान कार्य के व्यवहार में लाने के लिए प्रोत्सहान देने पर लगा हुआ है ।

(ख) केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रूड़की द्वारा किये गए अनुसंधानों में से कुछ निम्नलिखित है :—

(1) संस्थान ने पूर्वविरचित छत तथा फर्श एककों के बहुत से डिजाइनों को तैयार किया और विकसित किया है जो

लागत और समय की बचत करते है और परम्परागत प्रचलित सीमेन्ट कन्क्रीट स्लेबों की बनिस्बत जिन में लोहा और सीमेन्ट कम लगता है ।

(2) इसने कम लागत के मकानों के लिए एक पूर्व विरचित विक पैनल पद्धति का विकास किया है । दीवार पैनल केवल सिरों पर उठाने वाले हुकों सहित अप्रचलित है परन्तु छत के पैनलनम मात्र को प्रचलित है ।

(3) मकानों के लिए विकसित की गई पूर्व विरचित की दूसरी पद्धति निर्माण का एक कंक्रीट फ्रेम तथा क्रोर्ड आयताकार फिलरटाइप एकक है । इस पद्धति में पूर्वनिर्मित घटक केवल पांच प्रकार के है ।

(4) इसमें 30 सैं० मी० X 20 सैं० मी० X 15 सैं० मी० की पूर्वनिर्मित पत्थर के चिनाई ब्लाक बनाने की एक स्कीम विकसित की है जिसमें 12 सैं० मी० आकर तक पत्थर तथा सीमेंन्ट कंक्रीट का पतला मिलावा प्रयुक्त होता है । इन ब्लाको का एक तरफ पत्थर मानिन्द है और इनका बजन लगभग 21 किलोग्राम है ।

स्कूलों में योग प्रशिक्षण

85. **श्री नन्द किशोर शर्मा : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या स्कूल शिक्षा के साथ अनिवार्य रूप से योग प्रशिक्षण सहित शारीरिक प्रशिक्षण देने के प्रश्न पर सरकार विचार करेगी ; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार के विचार क्या हैं और इस दिशा में सरकार कब तक कार्यवाही करेगी ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री (श्री शंकरराव चव्हाण) : (क) तथा (ख). स्कूल शिक्षा की पद्धति के अंतर्गत शारीरिक शिक्षा अनिवार्य विषयों में से एक है । राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् द्वारा तैयार की गई "कक्षा I X के लिए शारीरिक शिक्षा की प्रारूप पाठ्यचर्या" में भी योग, जूडो तथा लोक नृत्य आदि जैसे कार्य-कलाप शामिल है ।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने सभी केन्द्रीय विद्यालयों के प्रयोगात्मक आधार पर योग को एक स्वतंत्र विषय के रूप में लागू करने का निर्णय किया है ।

Holding of Asian Games

86. SHRI CHANDRAJIT YADAV:
SHRI DAULAT RAM SARAN:

Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

(a) when the Asian Games are proposed to be held in India;

(b) which of the State Governments are making preparations to provide facilities for the Asian Games;

(c) the nature of the facilities to be provided by the State Governments and the estimated expenditure likely to be incurred thereon;

(d) whether, in view of the heavy burden on the exchequer in providing facilities for the Asian Games, country's economic tight position and other priorities requiring Government's attention, Government would consider the question of postponing the Asian Games; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) 31st October, 1982. to 14th November, 1982.